प्रश्नपत्र 1 : लेखांकन

(PAPER 1 : ACCOUNTING)

भाग I : मई, 2016 की परीक्षा में लागू होने तथा न लागू होने वाली उद्घोषणाएँ

अ. मई, 2016 की परीक्षा में लागू होने वाली

कम्पनी अधिनियम, 2013

31 अक्टूबर, 2015 तक घोषित कम्पनी अधिनियम, 2013 से संबंधित धाराएँ मई, 2016 की परीक्षा में लागू

ब. मई, 2016 की परीक्षा में लागू नहीं

कम्पनी मंत्रालय द्वारा निर्गमित द्वितीय लेखा मानक (Ind ASs) मई, 2016 की परीक्षा में लागू नहीं।

भाग II : प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न

कम्पनी के वित्तीय विवरण पत्र

1. रिंग लिमिटेड की अंकित पूंजी ₹ 10,00,000 जो ₹ 100 वाले अंशों में विभाजित थी। 31 मार्च, 2015 को उसकी पुस्तकों से तैयार संक्षिप्त तलपट निम्न है:

विवरण	₹	विवरण		₹
भवन	5,80,000	विक्रय		10,40,000
मशीनरी	2,00,000	अदत्त व्यय		4,000
अंतिम स्टॉक	1,80,000	संदिग्ध ऋण पर आयोजन		6,000
खुले औजार	46,000	(1-4-2014)		
क्रय (समायोजित)	4,20,000	समता अंश पूंजी		4,00,000
वेतन	1,20,000	सामान्य संचय		80,000
संचालक की फीस	20,000	लाभ हानि खाता		50,000
किराया	52,000	(1-4-2014)		
ह्रास	40,000	लेनदार		1,84,000
डूबत ऋण	12,000	ह्रास पर आयोजन		
विनियोग	2,40,000	भवन	1,00,000	
विनियोग पर अर्जित ब्याज	4,000	मशीनरी	1,10,000	2,10,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

ऋणपत्र ब्याज	56,000	14% ऋणपत्र	4,00,000
अग्रिम कर	1,20,000	ऋणपत्र पर अर्जित ब्याज	28,000
विविध व्यय	36,000	लेकिन देय नहीं	
देनदार	2,50,000	विनियोग पर ब्याज	24,000
बैंक	60,000	न मांगा गया लाभांश	10,000
	24,36,000		24,36,000

आपसे अपेक्षित है कि 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्न सूचनाओं पर विचार करते हुए लाभ–हानि विवरण पत्र तथा चिट्ठा बनाइये :

(अ) ₹ 1,60,000 से अंतिम स्टॉक प्रारम्भिक स्टॉक से अधिक

(ब) देनदार पर 4% की दर से संदिग्ध ऋण

(स) आयकर के लिए आयोजन बनाना दर 30%

(द) ₹ 16,000 भवन तथा ₹ 24,000 मशीन का ह्रास खर्चे में शामिल

(य) संचालक द्वारा लाभांश दर 25% तथा सामान्य संचय में हस्तांतरण दर 10% का अनुमोदन

(र) बिल पर छूट लेकिन अभी तक परिपक्व नहीं ₹ 20,000

2. प्रिया लिमिटेड का संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकार दिया है :

					('000 ₹ में)
दायित्व	31.3.14	31.3.15	**सम्पत्तियाँ**	31.3.14	31.3.15
अंश पूंजी	500	500	भूमि एवं भवन	300	300
9% ऋण पत्र	200	160	मशीनरी (लागत)	164	180
व्यापारिक देय	230	216	स्कंध	200	228
लाभ–हानि खाता	40	54	व्यापारिक प्राप्य	432	352
ह्रास कोष	80	88	रोकड़ एवं बैंक शेष	120	110
सम्भाव्य संचय	140	110	पूर्व प्रदत्त व्यय	4	6
अदत्त खर्चे	30	48			
	1,220	1,176		1,220	1,176

निम्न सूचनाएं प्रदान की गईं :

(i) एक पुरानी मशीन की वास्तविक लागत ₹ 30,000 जिसको 2014–15 में ₹ 10,000 में बेचा। उस मशीन से संबंधित संचित ह्रास ₹ 16,000।

(ii) ₹ 46,000 में एक नई मशीन प्राप्त की गई।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iii) 01-04-2014 को 9% ऋणपत्र का उनके अंकित मूल्य से 4% बट्टे पर शोधन।

(iv) 12% लाभांश की घोषणा तथा रोकड़ में भुगतान।

(v) आयकर दायित्व ₹ 30,000 का भुगतान, सम्भाव्य संचय को डेबिट। लाभांश वितरण कर का ध्यान नहीं रखा।

आपसे अपेक्षित, लेखा मानक 3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण पत्र बनाइये।

समामेलन से पूर्व लाभ–हानि

3. निम्न सूचनाओं से, प्रत्येक दशा में विक्रय अनुपात की अलग–अलग गणना :

(अ) (i) अधिग्रहण की तारीख–1 अप्रैल, 2015; समामेलन की तारीख–1 जुलाई, 2015 तथा लेखा पुस्तकें बन्द करने की तारीख–31 मार्च प्रत्येक वर्ष।

(ii) 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए विक्रय ₹ 24,00,000 जिसमें से लेखा अवधि के प्रथम छः माह का विक्रय ₹ 4,80,000।

(ब) (i) 31 दिसम्बर, 2015 तक लेखा पुस्तकें बनाई गईं। 1 मई, 2015 को कम्पनी का समामेलन, पूर्व की 1 जनवरी से व्यापार लेने के लिए।

(ii) वर्ष का कुल विक्रय ₹ 12,00,000 था। यह ज्ञात हुआ कि नवम्बर व दिसम्बर का विक्रय वर्ष के विक्रय के औसत का डेढ़ गुना था, जबकि फरवरी व मार्च में औसत का आधा था।

(स) (i) 1 अप्रैल, 2015 से एक्स लिमिटेड का वर्तमान व्यापार लेने के लिए फेमा लिमिटेड का समामेलन 1 जुलाई, 2015 को हुआ। लेखा पुस्तकें बंद करने की तारीख–31 मार्च, 2016।

(ii) माह अप्रैल 2015, फरवरी 2016 तथा मार्च 2016 का विक्रय वर्ष के शेष माह के विक्रय के औसत का दुगना था।

बोनस निर्गमन का लेखांकन

4. 31 मार्च, 2015 को मैसर्स हैलो लिमिटेड के चिट्ठे का सारांश निम्न हैः

	₹
अधिकृत पूँजी :	
50,000 10% पूर्वाधिकार अंश ₹ 10 वाले	5,00,000
2,00,000 समता अंश प्रत्येक ₹ 10 वाले	20,00,000
निर्गमित एवं अभिदत्त पूंजी	
40,000 10% पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक ₹ 10 वाले पूर्ण प्रदत्त	4,00,000
1,80,000 समता अंश ₹ 10 वाले जिसमे ₹ 7.50 प्रदत्त	13,50,000
संचय एवं आधिक्य	

© The Institute of Chartered Accountants of India

सामान्य संचय	2,40,000
पूंजी संचय	1,50,000
प्रतिभूति प्रीमियम	30,000
लाभ–हानि खाता	3,00,000

1 अप्रैल, 2015 को कम्पनी ने 1,80,000 समता अंश पर ₹ 2.50 प्रति अंश अन्तिम याचना मांगी। 30 अप्रैल, 2015 को याचना की राशि प्राप्त हो गई। उसके पश्चात्, कम्पनी ने तय किया कि संचय का पूंजीकरण करते हुए तीन धारित अंशों के बदले 1 बोनस अंश का निर्गमन किया जाए। पूंजी संचय में प्लाण्ट एवं मशीन के पुनर्मूल्यांकन का लाभ ₹ 60,000 शामिल है।

कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दिखाते हुए, बोनस निर्गमन के पश्चात् चिट्ठा बनाइए। यदि कोई हो तो आवश्यक मान्यता प्रश्न का भाग माना जायेगा।

कंपनी का आंतरिक पुनर्निर्माण

5. 31.03.2015 को हेमा लिमिटेड का संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकार है :

विवरण		₹	₹
1.	समता एवं दायित्व		
	अंशधारियों का कोष : 1 लाख पूर्ण प्रदत्त समता अंश प्रत्येक ₹ 10 वाले	10,00,000	
	4,000 8% पूर्ण प्रदत्त पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक ₹ 100 वाले	4,00,000	14,00,000
2.	गैर–चालू दायित्व : दीर्घकालीन उधार 6% ऋणपत्र (स्वकीय सम्पत्ति से सुरक्षित)	4,00,000	
	अदत्त ब्याज	24,000	4,24,000
3.	चालू दायित्व		
	व्यापारिक देय	1,01,000	
	संचालक से ऋण	3,00,000	4,01,000
			22,25,000
सम्पत्तियाँ			
1.	गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
	स्थायी सम्पत्ति : दृश्य सम्पत्ति		
	स्वकीय सम्पत्तियाँ	5,50,000	
	प्लांट एवं मशीनरी	2,00,000	
	व्यापारिक विनियोग (लागत पर)	2,00,000	9,50,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

2.	चालू सम्पत्तियाँ		
	व्यापारिक प्राप्य	4,50,000	
	स्कंध	3,00,000	7,50,000
3.	अन्य सम्पत्तियाँ		
	लाभ–हानि खाता		5,25,000
			22,25,000

कम्पनी के संचालक मंडल ने संबंधित अंशधारियों की सहमति से पुनर्निर्माण की निम्न योजना तय की :

(i) पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक ₹ 80 तक तथा प्रत्येक समता अंश ₹ 2 तक अपलिखित करना।

(ii) 3 वर्ष के बकाया पूर्वाधिकार लाभांश का 2/3 भाग का परित्याग तथा शेष 1/3 भाग के बदले ₹ 2 वाले समता अंश का आवंटन।

(iii) ऋणपत्रधारी अपने आंशिक भुगतान के बदले एक स्वकीय सम्पत्ति को ₹ 3,00,000 के पुस्तक मूल्य लेने पर सहमत। शेष ऋणपत्र कम्पनी के दायित्व बने रहेंगे।

(iv) ऋणपत्र पर बकाया ब्याज का नगद भुगतान।

(v) शेष स्वकीय सम्पत्ति का मूल्यांकन ₹ 4,00,000।

(vi) ₹ 2,50,000 में विनियोग का विक्रय।

(vii) ₹ 2,25,000 के संचालक ऋण का परित्याग तथा शेष के लिए प्रत्येक ₹ 2 वाले समता अंश का आवंटन

(viii) 20% व्यापारिक प्राप्य तथा 40% स्कंध का अपलेखन।

(ix) कम्पनी ने ठेका संबंधी वचनबद्धता का निपटारा ठेका मूल्य के 10% अर्थदण्ड के भुगतान द्वारा किया।

आंतरिक पुनर्निर्माण का प्रभाव दिखाते हुए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ तथा योजना के बाद कम्पनी का चिट्ठा बनाइये। जर्नल प्रविष्टियों का वर्णन छोड़िये।

कम्पनी का समामेलन

6. 1 अप्रैल, 2015 को अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड का समामेलन हुआ। वर्तमान कम्पनियों का व्यापार लेने के लिए एक नई कम्पनी स का निर्माण किया गया। 31 मार्च, 2015 को अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड के चिट्ठे का प्रारूप निम्न प्रकार है :

					(₹ लाखों में)
दायित्व	**अ लिमिटेड**	**ब लिमिटेड**	**सम्पत्तियाँ**	**अ लिमिटेड**	**ब लिमिटेड**
अंश पूंजी :			स्थायी सम्पत्तियाँ :		
समता अंश ₹ 100 वाले	400	375	भूमि एवं भवन	275	200

© The Institute of Chartered Accountants of India

12% पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 वाले	150	100	प्लाण्ट एवं मशीनरी विनियोग	175 75	125 25
संचय एवं आधिक्य :			चालू सम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम		
पुनर्मूल्यांकन संचय	75	50	स्कंध	175	125
सामान्य संचय	85	75	देनदार	125	150
विनियोग छूट संचय	25	25	प्राप्य बिल	25	25
			रोकड़ तथा बैंक शेष	150	100
लाभ हानि खाता	25	15			
सुरक्षित ऋण :					
10% ऋणपत्र (प्रत्येक ₹ 100)	30	15			
चालू दायित्व एवं आयोजन :					
लेनदार	135	60			
स्वीकार्य	75	35			
	1,000	750		1,000	750

अतिरिक्त सूचनाएं :

(अ) स लिमिटेड अ लिमिटेड के प्रत्येक समता अंश के बदले 5 समता अंश तथा ब लिमिटेड के प्रत्येक समता अंश के बदले 4 समता अंश जारी करेगा। अंश का निर्गमन @ ₹ 30 जिसका अंकित मूल्य ₹ 10 प्रति अंश है।

(ब) दोनों कम्पनियों के पूर्वाधिकार अंशधारियों का निपटारा स लिमिटेड द्वारा 15% पूर्वाधिकार अंश ₹ 150 मूल्य पर (अंकित मूल्य ₹ 100) समतुल्य नम्बर के निर्गमन द्वारा किया गया।

(स) अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड के 10% ऋणपत्रधारियों का निपटारा स लिमिटेड द्वारा 15% ऋणपत्र ₹ 100 वाले इतनी संख्या में निर्गमन किया गया जिससे उतनी ही राशि का ब्याज बनाया रखा जा सके।

(द) विनियोग छूट संचय अगले 4 वर्षों तक बनाये रखना है।

(य) समापन व्यय :

अ लिमिटेड : ₹ 2,00,000

ब लिमिटेड : ₹ 1,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

यह तय हुआ कि स लिमिटेड द्वारा इन खर्चों को वहन किया जायेगा।

(र) अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड की सभी सम्पत्तियों को स लिमिटेड द्वारा पुस्तक मूल्य पर लिया जायेगा।

(द) स लिमिटेड की अधिकृत पूंजी ₹ 5,00,00,000 है जो ₹ 10 वाले समता अंश में विभाजित है। अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड के समापक को अपेक्षित संख्या में अंश जारी करने के बाद, शेष अंश जनता को निर्गमन। निर्गमन का पूर्ण अभिदान।

अपेक्षित :

1 अप्रैल, 2015 को स लिमिटेड का एकीकरण के बाद का चिट्ठा बनाइये, यह मानते हुए कि एकीकरण की प्रक्रिया क्रय के स्वभाव वाले एकीकरण के द्वारा पूरी की गयी है।

औसत देय तिथि

7. निम्न बिल विपत्र की दशा में देय तिथि बताइये जबकि बिल की देय अवधि 1 माह है :

बिल की तारीख :

(i) 26 जनवरी, 2016

(ii) 23 दिसम्बर, 2014

(iii) 13 जनवरी, 2015 (अनुग्रह दिवस को शामिल करते हुए, बिल विपत्र की देय तिथि, कुछ संकट के कारण छुट्टी की घोषणा)

(iv) 13 जुलाई, 2015 (अनुग्रह दिवस को शामिल करते हुए, बिल विपत्र की देय तिथि को रविवार)

चालू खाता

8. 1 अप्रैल, 2015 को मिस्टर अभिनव ने बैंक में ओवर ड्राफ्ट खाता खोला। उसी दिन उसने बैंक में ₹ 40,000 नगद जमा कराया। माह अप्रैल, 2015 में अन्य जमा एवं निकासी का विवरण निम्न प्रकार था :

	₹
जमा :	
10 अप्रैल, 2015	60,000
18 अप्रैल, 2015	68,000
निकासी :	
5 अप्रैल, 2015	1,20,000
16 अप्रैल, 2015	80,000
25 अप्रैल, 2015	1,00,000

बैंक डेबिट शेष पर 12% वार्षिक दर से ब्याज चार्ज करता है। जमा शेष पर कोई ब्याज नहीं दिया जाता। माह अप्रैल, 2015 का बैंक की पुस्तकों में चालू खाता बनाइये, गुणनफल

© The Institute of Chartered Accountants of India

विधि द्वारा। बैंक ने ब्याज को डेबिट किया किसी विशेष माह में दो बार i.e. 15 तथा 30/31 (जैसी भी परिस्थिति हो)। ब्याज की गणना के लिए, वर्ष में 365 दिन मानते हुए। गणना का सन्निकटन ₹ में करना हैं।

चालू खाते स्वकीय शेष खाता

9. निम्न सूचनाओं से देनदार खातावही में सामान्य समायोजन खाता तथा सामान्य खाताबही में देनदार समायोजन खाता बनाइये :

	₹
01.04.2015 का शेष	
देनदार खाताबही का डेबिट शेष	2,46,200
देनदार खाताबही का क्रेडिट शेष	3,400
माह अप्रैल, 2015 के दौरान व्यवहार	
उधार विक्रय	9,74,900
विक्रय वापसी	21,700
देनदार से रोकड़ प्राप्ति	8,62,100
देनदार को छूट स्वीकृत	39,200
देनदार से प्राप्य बिल प्राप्त	51,200
प्राप्य बिल का अनादरण	3,500
पूर्तिकर्ताओं को बिल दिया	27,000
30.04.2015 को देनदार खाता का क्रेडिट शेष	5,200

गैर–लाभकारी संस्थाओं का वित्तीय विवरण पत्र

10. सरकारी सेवा से सेवा निवृत्ति के बाद डाक्टर दिनेश ने 1 अप्रैल, 2014 से ₹ 1,00,000 स्वयं की पूंजी तथा ₹ 1,50,000 12% प्रतिवर्ष ब्याज पर जीवन पॉलिसी पर उधार लेकर निजी प्रैक्टिस शुरू की। रोकड़ आधार पर उसके खाते रखे जाते हैं तथा संक्षिप्त रोकड़ खाता निम्न प्रकार है :

प्राप्ति	₹	भुगतान	₹
स्वयं की पूंजी	1,00,000	दवाई का क्रय	1,22,500
ऋण	1,50,000	शल्य चिकित्सा यंत्र	1,25,000
दवाई पर्ची की फीस	3,30,000	मोटर कार	1,60,000
घर पर जाने की फीस	1,25,000	मोटर कार खर्चे	60,000
लेक्चर की फीस	12,000	मजदूरी एवं वेतन	52,500
पेंशन प्राप्त	1,50,000	चिकित्सालय किराया	30,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

		सामान्य खर्चे	24,500
		घरेलू खर्चे	90,000
		घरेलू फर्नीचर	12,500
		पुत्री की शादी पर खर्च	1,07,500
		ऋण पत्र ब्याज	18,000
		बैंक शेष	55,000
		हस्तस्थ रोकड़	9,500

मोटर कार खर्चे का एक–तिहाई भाग व्यक्तिगत खर्चे के रूप में मान्य तथा वेतन से ₹ 15,000 घरेलू नौकर से संबंधित है। 31 दिसम्बर, 2015 को दवाई का स्टॉक का मूल्य ₹ 47,500 था। आपसे अपेक्षित है कि 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय–व्यय खाता, पूंजी खाता तथा उस तारीख का चिट्ठा बनाइये। स्थायी सम्पत्ति पर ह्रास का ध्यान नहीं रखना।

अपूर्ण खातों से लेखे

11. मिस श्रेया जो ब्यूटी सैलून चलाती है, की 31.03.2014 तथा 31.03.2015 को सम्पत्तियाँ एवं दायित्व निम्न प्रकार हैं :

	31-03-2014 (₹)	31-03-2015 (₹)
सम्पत्तियाँ		
मशीनरी एवं यंत्र	25,000	30,000
फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	50,000	60,000
उपभोग सामग्री का स्टॉक	60,000	1,35,000
विविध देनदार	20,000	45,000
बैंक में रोकड़	35,000	42,500
हस्तस्थ रोकड़	2,150	3,750
दायित्व		
ऋण (मूल)	50,000	40,000
विविध लेनदार	20,000	35,000

वित्तीय वर्ष 2014–15 में, मशीनरी एवं यंत्र तथा फर्नीचर एवं फिक्सचर्स के अपलिखित मूल्य पर 10% वार्षिक दर से ह्रास प्रदान करना। श्रेया ने 01.07.2014 को मशीन एवं यंत्र ₹ 5,000 मूल्य के खरीदे। उसने 01.01.2015 को ₹ 10,000 मूल्य के फर्नीचर एवं फिक्सचर्स खरीदे। 31.03.2015 को ₹ 10,000 की ऋण राशि का आंशिक भुगतान किया। ऋण पर 12% की दर से ब्याज का प्रावधान तथा 31.03.2015 तक बकाया है। पहले का

© The Institute of Chartered Accountants of India

कोई ब्याज बकाया नहीं है। वित्तीय वर्ष 2014–15 में श्रेया ने प्रतियोगिता में भाग लिया तथा ₹ 20,000 का इनाम जीता। उसने इसको व्यापार में प्रतिधारित रखा। वित्तीय वर्ष 2014–15 में श्रेया का आहरण ₹ 1,000 प्रतिमाह था। 31.03.2015 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूंजी की तुलना विधि द्वारा लाभ तय करना तथा उस तारीख का स्थिति विवरण पत्र तैयार करना।

किराया क्रय विधि लेनदेन

12. 1 अप्रैल, 2012 को एक्स लिमिटेड ने एक्स ट्रांसपोर्ट एण्ड कम्पनी को किराया क्रय पद्धति के आधार पर ट्रक बेचे। कुल किराया मूल्य ₹ 18,00,000 जिसमें से तुरन्त भुगतान ₹ 4,80,000 तथा शेष ₹ 4,40,000 की तीन बराबर वार्षिक किस्त देय 31 मार्च, 2013, 2014 तथा 2015। किराया विक्रेता 10% वार्षिक दर से ब्याज वसूल करता है। आपसे अपेक्षित है कि एक्स ट्रांसपोर्ट एण्ड कम्पनी के ट्रक का नगद मूल्य ज्ञात करिए। गणना सन्निकट ₹ तक की करनी है।

विनियोग खाते

13. मिस्टर आकाश ने धारित 9% सरकारी बॉण्ड्स की निम्न सूचनाएं प्रस्तुत कीं :

01.01.2014 को प्रारंभिक शेष (अंकित मूल्य) ₹ 60,000, लागत ₹ 59,000 (प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य ₹ 100)

01.03.2014 को क्रय 100 यूनिट, ब्याज रहित क्रय मूल्य ₹ 100

01.07.2014 को मूल धारित अंशों में से 250 यूनिट का विक्रय, ब्याज रहित मूल्य ₹ 100

01.10.2014 को 75 यूनिट्स का क्रय, ब्याज सहित मूल्य ₹ 98

01.11.2014 को मूल धारित अंशों में से 150 यूनिट्स का विक्रय, ब्याज रहित मूल्य ₹ 99

ब्याज की देय तिथि, 30 सितम्बर तथा 31 मार्च, मिस्टर आकाश अपनी पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बंद करता है।

उसकी पुस्तकों में प्रदर्शित होने वाला विनियोग खाता बनाइये। मिस्टर आकाश प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन (FIFO) विधि अपनाता था।

स्टॉक हानि का बीमा दावा

14. मैसर्स डी ई एफ एण्ड कम्पनी के भवन में 13 सितम्बर, 2014 को आग लग गई। अधिकतर स्टॉक जल गया। अवशिष्ट बचा माल की लागत ₹ 40,000। इसके अतिरिक्त, नष्ट माल में से कुछ माल बचा लिया गया। जिसका उस अवस्था में मूल्य ₹ 20,000 था। शेष बचे लेख रिकार्ड्स से निम्न सूचनाएं प्राप्त हुई :

	₹
31 मार्च, 2014 को माल का स्टॉक 10% लागत से कम	8,64,000
क्रय (01.04.2014 से 13.09.2014 तक)	35,29,900
विक्रय (01.04.2014 से 13.09.2014 तक)	46,93,200

© The Institute of Chartered Accountants of India

अतिरिक्त सूचनाएँ :

(i) 13 सितम्बर, 2014 तक विक्रय में शामिल ₹ 70,000 का माल अभी तक नहीं भेजा तथा ₹ 25,000 का माल अनुमोदन के लिए भेजा, लेकिन अनुमोदन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ।

(ii) 13 सितम्बर, 2014 तक क्रय में शामिल नहीं ₹ 60,000 का माल जिसका क्रय बीजक अभी तक प्राप्त नहीं हुआ, यद्यपि गोदाम के अंदर माल प्राप्त हो गया। इसके अलावा, क्रय में ₹ 40,000 मूल्य की मशीन शामिल।

(iii) पुराने रिकार्ड के अनुसार सकल लाभ की दर 25%

(iv) मैसर्स डी एफ एण्ड कम्पनी ने ₹ 9,00,000 के स्टॉक का बीमा कराया।

उपर्युक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए, स्टॉक हानि का मूल्य ज्ञात कीजिये।

साझेदारी खाते में विचारणीय बिंदु

15. साझेदारी फर्म मैसर्स ए बी एण्ड कम्पनी में ए तथा बी साझेदार थे, जिनका लाभ–हानि अनुपात क्रमशः 5:3 था। 31.03.2015 को स्थिति विवरण निम्न प्रकार था :

दायित्व	₹	सम्पत्तियाँ	₹
ए की पूंजी	4,10,000	भूमि एवं भवन	3,80,000
बी की पूंजी	3,30,000	प्लाण्ट एवं मशीन	1,70,000
लाभ–हानि खाता	1,12,000	फर्नीचर	1,09,480
व्यापारिक लेनदार	54,800	स्टॉक	1,45,260
		विविध देनदार	60,000
		बैंक में रोकड़	42,060
	9,06,800		9,06,800

उपर्युक्त तिथि को निम्न शर्तों पर सी को साझेदार के रूप में प्रवेश दिया :

(अ) सी लाभ में 1/5 हिस्सा प्राप्त करेगा।

(ब) सी ₹ 2,40,000 पूंजी तथा ₹ 32,000 ख्याति का हिस्सा लायेगा।

(स) प्लाण्ट एवं मशीन का ह्रास अपलेखन 15% तथा भूमि एवं भवन में वृद्धि 40%। विविध देनदार पर 5% का संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन बनाना। लेखा पुस्तकों में भूमि एवं भवन की मरम्मत के ₹ 6,000 अलिखित दायित्व का लेखा किया गया।

(द) सी के प्रवेश के तुरन्त बाद, लाई गई ख्याति का समायोजन पुराने साझेदारों में किया जायेगा। इसके पश्चात्, पुराने साझेदारों के पूंजी खाते, चालू खाते के माध्यम से इस प्रकार समायोजित किये जाएंगे कि सभी साझेदारों की पूंजी लाभ–हानि अनुपात में होगी।

© The Institute of Chartered Accountants of India

सी के प्रवेश के बाद पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदार के पूंजी खाते, नया लाभ–हानि अनुपात तथा फर्म का चिट्ठा बनाइये।

कम्प्यूटरीकृत वातावरण में लेखांकन

16. लेखा प्रविधि के रूप में स्प्रैड शीट सॉफ्टवेयर के क्या फायदे हैं?

लेखा मानक में लागू होना

17. (अ) लेखा मानक किस प्रकार के बिन्दुओं पर विचार करता है?

लेखा मानक 1 (AS 1) लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण

(ब) एक्स वाई जेड कम्पनी वित्तीय सेवाओं का व्यापार करती तथा उसकी तरल स्थिति कठिन चल रही हैं। चूंकि, कम्पनी की अधिकतर सम्पत्तियाँ विभिन्न दावों/विशेष न्यायालय में विचाराधीन दावों में फंसी हुई हैं। एक्स वाई जेड ने अन्तः कम्पनी जमा (ICDs) स्वीकार किये तथा बकाया निपटारे के लिए सर्वोत्तम प्रयास किये। उधार देने वालों के विभिन्न ब्याज दरों के दावे, अन्तः कम्पनी जमा (ICDs) की देय तिथि से पुनर्भुगतान की तिथि तक। अनुबंध की शर्तों के अनुसार, कम्पनी ने देय तिथि तक ब्याज दिया। यह नोट किया कि देय तिथि से पुनर्भुगतान की तिथि तक, ब्याज का आयोजन नहीं होने से वित्तीय विवरण प्रभावित था। वर्तमान में राशि तय करने की अनिश्चितता तथा अनुबंध की विशिष्ट शर्तों के अनुसार वर्तमान में कोई कानूनी दायित्व नहीं है। कम्पनी ने विचार किया कि ये दावे ''कम्पनी के विरुद्ध दावे लेकिन ऋण के रूप में मान्य नहीं'' तथा उसी रूप में कम्पनी ने लेखा पुस्तकों में नोट के रूप में दिखाया बजाय लाभ–हानि खाते में आयोजन के रूप में। बताइये, कम्पनी द्वारा किया गया व्यवहार सही है या गलत।

लेखा मानक 2 (AS 2) स्कंध का मूल्यांकन

18. (अ) निम्न सूचनाओं के आधार पर, 31 मार्च, 2015 को चिट्ठा बनाते समय भारित औसत के आधार पर, लेखा मानक 2 के अनुसार स्कंध का मूल्य ज्ञात कीजिये (कालान्तर स्कंध विधि)

क्रय का विवरण :

क्रय की तारीख	इकाइयाँ (नम्बर)	क्रय लागत प्रति इकाई (₹)
1.03.2015	20	108
08.03.2015	15	107
17.03.2015	30	109
25.03.2015	15	107

स्कंध के निर्गमन का विवरण :

निर्गमन की तारीख	इकाइयाँ (नम्बर)
03.03.2015	10

© The Institute of Chartered Accountants of India

12.03.2015	20
18.03.2015	10
24.03.2015	20

31 मार्च, 2015 को स्कंध का शुद्ध वसूली मूल्य प्रति इकाई ₹ 107.75। लेखा मानक 2 के अनुसार स्कंध का मूल्य क्या होगा?

लेखा मानक 3 (AS 3) रोकड़ प्रवाह विवरण पत्र

(ब) निम्न क्रियाओं का वर्गीकरण जैसे (i) परिचालन क्रियाएँ (ii) विनियोग क्रियाएँ (iii) वित्तीय क्रियाएँ (iv) रोकड़ तुल्य।

(a) मशीन का क्रय

(b) समता अंश पूंजी के निर्गमन द्वारा आगम

(c) नकद विक्रय

(d) दीर्घकालीन उधार द्वारा आगम

(e) व्यापारिक प्राप्य से आगम

(f) व्यापारिक प्राप्य से रोकड़ प्राप्ति

(g) व्यापारिक कमीशन प्राप्त

(h) विनियोग का क्रय

(i) पूर्वाधिकार अंश का शोधन

(j) नकद क्रय

(k) विनियोग के विक्रय से आगम

(l) स्थायी सम्पत्ति का क्रय

(m) पूर्तिकर्ताओं को भुगतान

(n) समता अंश पर अंतरिम लाभांश का भुगतान

(o) मजदूरी एवं वेतन का भुगतान

(p) एकस्व के विक्रय से आगम

(q) विनियोग के रूप में रखे ऋण पत्र पर ब्याज

(r) दीर्घकालीन ऋण पर ब्याज का भुगतान

(s) कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय का भुगतान

(t) निर्माणी उपरिव्यय का भुगतान

(u) विनियोग के रूप में रखे अंशों पर लाभांश प्राप्त

(v) विनियोग के रूप में रखी सम्पत्ति पर किराया प्राप्त

© The Institute of Chartered Accountants of India

(w) विक्रय एवं वितरण व्यय का भुगतान

(x) आयकर का भुगतान

(y) पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश का भुगतान

(z) अभिगोपन कमीशन का भुगतान

(aa) किराया चुकाया

(bb) विनियोग के क्रय पर दलाली का भुगतान

(cc) बैंक अधिवकर्ष

(dd) नगद उधार

(ee) अल्पकालीन जमा

(ff) विक्रय योग्य प्रतिभूतियाँ

(gg) प्राप्त आयकर की वापसी

लेखा मानक 6 (AS 6) ह्रास लेखांकन

19. (अ) एक कम्प्यूटर की लागत ₹ 1.2 लाख पर सरल रेखा पद्धति के आधार पर ह्रास। यह मानते हुए कि अनुमानित जीवन 10 वर्ष तथा 3 वर्ष के बाद अवशिष्ट मूल्य शून्य है। तीन वर्षों के पश्चात् शेष बची उपयोगी जीवन का अनुमान 5 वर्ष है। लेखा मानक 6 'ह्रास लेखांकन' के अनुसार ह्रास की गणना कीजिये।

लेखा मानक 7 (AS 7) निर्माणी ठेका

(ब) 1 अप्रैल, 2014 को फाइव स्टार कंस्ट्रक्शन कम्पनी ने निर्माणी कार्य का ठेका प्रारम्भ किया। ठेका के स्थायी मूल्य पर सहमति ₹ 50,00,000। कम्पनी ने 2014–15 में 40% कार्य के लिए ₹ 21,00,000 खर्च किये। जबकि ग्राहक से ₹ 19,00,000 का भुगतान प्राप्त हुआ। कम्पनी ने अनुमान किया कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिए ₹ 31,50,000 अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। लेखा मानक 7 के अनुसार 2014–15 में कितनी राशि आय के रूप में मानी जायेगी? वर्ष 2014–15 में कम्पनी की पुस्तकों में लाभ–हानि खाते का सारांश दिखाइये।

लेखा मानक 9 (AS 9) आय पहचान

20. (अ) एक्स लिमिटेड ने मिस्टर वाई को 13 लाख का माल बेचा। मिस्टर वाई ने ₹ 1,06,000 के व्यापारिक बट्टे की मांग की जिस पर एक्स लिमिटेड सहमत। सामान्य व्यापार के दौरान इस प्रकार का बट्टा दिया जाता है। इससे विक्रय प्रभावित हुआ तथा माल भेजा गया। माल प्राप्ति पर, मिस्टर वाई ने ₹ 1,34,000 का माल दूषित पाया। मिस्टर वाई ने एक्स लिमिटेड को दूषित माल वापस कर दिया तथा ₹ 10,60,000 का भुगतान कर दिया। एक्स लिमिटेड के लेखाकार ने ₹ 10,60,000 का विक्रय दिखाया। संबंधित लेखा मानक के अनुरूप लेखाकार पर टिप्पणी कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखा मानक 10 (AS 10) स्थायी सम्पत्ति का लेखांकन

(ब) एक्स वाई जेड लिमिटेड ने स्थायी सम्पत्ति का निर्माण किया तथा निर्माण पर निम्न व्यय किये :

	₹
सामग्री	10,00,000
प्रत्यक्ष मजदूरी	3,00,000
(कुल मजदूरी समय का 1/6 भाग निर्माण पर वसूल करना)	
प्रत्यक्ष व्यय	2,00,000
कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय	7,50,000
(विशिष्ट रूप से 5% निर्माण से संबंधित)	
उस सम्पत्ति के निर्माण में काम में ली गई सम्पत्ति पर ह्रास	10,000

स्थायी सम्पत्ति की लागत की गणना कीजिये।

प्रस्तावित उत्तर/संकेत

1. **रिंग लिमिटेड**

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ–हानि खाता

	विवरण	नोट नं.	(लाख में)
I	**संचालन से आगम**		10,40,000
II	**अन्य आय**		24,000
III	**कुल आगम (i + ii)**		10,64,000
IV	**खर्चे**		
	क्रय की लागत [4,20,000 + 1,60,000]		5,80,000
	स्कंध में परिवर्तन [20,000 – 1,80,000]		(1,60,000)
	कर्मचारी के हितार्थ खर्चे		1,20,000
	वित्तीय लागत		56,000
	ह्रास एवं परिशोधन खर्चे		40,000
	अन्य खर्चे	8	1,24,000
	कुल व्यय		7,60,000
V	**कर से पूर्व लाभ (III-IV)**		3,04,000
VI	**कर व्यय @ 30%**		(91,200)
VII	**अवधि का लाभ**		2,12,800

© The Institute of Chartered Accountants of India

31 मार्च, 2015 को रिंग लिमिटेड का चिट्ठा

	विवरण	नोट नं.	₹
I	**समता एवं दायित्व**		
	(1) अंशधारियों का कोष		
	(अ) अंश पूंजी	1	4,00,000
	(ब) संचय एवं आधिक्य	2	2,22,442
	(2) गैर–चालू दायित्व		
	(अ) दीर्घकालीन उधार (ऋणपत्र)		4,00,000
	(3) चालू दायित्व		
	(अ) व्यापारिक देय (विविध लेनदार)		1,84,000
	(ब) अन्य चालू दायित्व	3	42,000
	(स) अल्पकालीन आयोजन	4	2,11,558
	कुल		14,60,000
II	**सम्पत्तियाँ**		
	(1) गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
	(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		
	(i) दृश्य सम्पत्तियाँ	5	5,70,000
	(ब) गैर–चालू विनियोग		2,40,000
	(2) चालू सम्पत्तियाँ		
	(अ) स्कंध	6	2,26,000
	(ब) व्यापारिक प्राप्य	7	2,40,000
	(स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		60,000
	(द) अल्पकालीन उधार एवं अग्रिम (अग्रिम कर का भुगतान)		1,20,000
	(य) अन्य चालू सम्पत्तियाँ (विनियोग पर अर्जित ब्याज)		4,000
	कुल		**14,60,000**

नोट : ₹ 20,000 के बिल भुनाये लेकिन अभी तक देय नहीं, संदिग्ध दायित्व है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखों पर टिप्पणियाँ

1.	**अंश पूंजी**		
	अधिकृत पूंजी		
	10,000 समता अंश ₹ 100 वाले		10,00,000
	निर्गमित पूंजी		
	4,000 समता अंश ₹ 100 वाले		4,00,000
	अभिदत्त पूंजी एवं पूर्ण प्रदत्त		
	4,000 समता अंश ₹ 100 वाले		4,00,000
			4,00,000
2.	**संचय एवं आधिक्य**		
	सामान्य संचय [80,000 +21,280]		1,01,280
	लाभ–हानि खाते का शेष का विवरण		
	प्रारम्भिक शेष	50,000	
	जोड़िए : अवधि का लाभ	2,12,800	
		2,62,800	
	नियोजन		
	सामान्य संचय में हस्तांतरण @ 10%	(21,280)	
	प्रस्तावित समता लाभांश [25% of 4,00,000]	(1,00,000)	
	लाभांश वितरण कर (W. N.1)	(20,358)	1,21,162
			2,22,442
3.	**अन्य चालू दायित्व**		
	न मांगा गया लाभांश		10,000
	अदत्त व्यय		4,000
	ऋणपत्र पर अर्जित ब्याज		28,000
			42,000
4.	**अल्पकालीन आयोजन**		
	कर के लिए आयोजन		91,200
	प्रस्तावित समता लाभांश		1,00,000
	लाभांश वितरण कर		20,358
			2,11,558

© The Institute of Chartered Accountants of India

5.	**दृश्य सम्पत्ति**		
	भवन	5,80,000	
	घटाइए : ह्रास आयोजन	1,00,000	4,80,000
	मशीन एवं यंत्र	2,00,000	
	घटाइए : ह्रास आयोजन	1,10,000	90,000
			5,70,000
6.	**स्कंध**		
	निर्मित माल का अंतिम स्टॉक	1,80,000	
	खुले औजार	46,000	2,26,000
7.	**व्यापारिक प्राप्य**		
	विविध देनदार	2,50,000	
	घटाइए : संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन	(10,000)	2,40,000
8.	**अन्य व्यय**		
	किराया		52,000
	विविध व्यय		36,000
	संचालक की फीस		20,000
	डूबत ऋण		12,000
	संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन (4% of 2,50,000 *घटाइए* 6000)		4,000
			1,24,000

कार्यशील टिप्पणी

लाभांश वितरण कर की गणना

विवरण		₹
(i)	लाभांश को सकल करना	
	रिंग लिमिटेड द्वारा लाभांश वितरण 4,00,000 का 25%	1,00,000
	जोड़िए : सकल लाभांश के लिए वृद्धि [1,00,000 × (15/(100-15)]	17,647
	सकल लाभांश	1,17,647
(ii)	लाभांश वितरण कर @ 17.304% of ₹ 1,17,647	20,358

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. **31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए**
प्रिया लिमिटेड का रोकड़ विवरण पत्र

		₹	₹
A. परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
कर से पूर्व लाभ (54,000 – 40,000 + 60,000)		74,000	
जोड़िए : ह्रास का समायोजन (W.N.1)		24,000	
ऋणपत्र पर ब्याज (₹ 1,60,000 × 9%)		14,400	
मशीनरी के विक्रय पर हानि (W.N.2)		4,000	
		1,16,400	
घटाइए : ऋण के शोधन पर लाभ (गैर–परिचालन आय)		(1,600)	
		1,14,800	
घटाइए : आयकर चुकाया		(30,000)	
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ		84,800	
जोड़िए : अदत्त खर्चों में वृद्धि	18,000		
व्यापारिक प्राप्य में कमी	80,000	98,000	
		1,82,800	
घटाइए : व्यापारिक देय में कमी	14,000		
स्कंध में वृद्धि	28,000		
पूर्वदत्त खर्चे में वृद्धि	2,000	(44,000)	
परिचालन क्रिया से शुद्ध रोकड़			1,38,800
B. विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
पुरानी मशीन का विक्रय		10,000	
मशीन का क्रय		(46,000)	
विनियोग क्रियाओं में शुद्ध रोकड़ का प्रयोग			(36,000)
C. वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
ऋणपत्रों का शोधन (40,000 – 1,600)		(38,400)	
लाभांश का भुगतान		(60,000)	
ऋणपत्र पर ब्याज का भुगतान		(14,400)	
वित्तीय क्रियाओं में शुद्ध रोकड़ का प्रयोग			(1,12,800)

© The Institute of Chartered Accountants of India

वर्ष के दौरान रोकड़ या रोकड़ तुल्य में शुद्ध कमी		(10,000)
वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य		1,20,000
वर्ष के अंत में रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य		1,10,000

कार्यशील टिप्पणियाँ

1. **ह्रास कोष**

		₹			₹
To	मशीन खाता	16,000	By	शेष बी/डी	80,000
To	शेष सी/डी	88,000	By	लाभ–हानि खाता (चालू वर्ष का ह्रास)	24,000
		1,04,000			1,04,000

2. **मशीनरी खाता**

		₹			₹
To	शेष बी/डी	1,64,000	By	ह्रास कोष	16,000
To	बैंक (क्रय)	46,000	By	बैंक (पुरानी मशीन से वसूली)	10,000
			By	लाभ–हानि खाता (विक्रय पर हानि) शेष राशि	4,000
			By	शेष सी/डी	1,80,000
		2,10,000			2,10,000

3. (अ) प्रथम 6 माह का विक्रय = ₹ 4,80,000। प्रथम 6 माह का औसत विक्रय ₹ 4,80,000/6 माह = ₹ 80,000 प्रति माह। समामेलन से पूर्व अवधि 3 महीने (i.e. अप्रेल, मई एवं जून)। इन 3 माह का विक्रय = ₹ 80,000 × 3 = ₹ 2,40,000। शेष 9 माह का विक्रय = ₹ 24,00,000 – ₹ 2,40,000 = ₹ 21,60,000।

इसलिये, विक्रय का अनुपात = 2,40,000 : 21,60,000 या 1:9

(ब) यह मानते हुए कि माहवारी औसत विक्रय = x। विभिन्न महीने का विक्रय निम्न प्रकार है :

माह	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
विक्रय	1x	0.5x	1x	0.5x	1x	1x	1x	1x	1x	1x	1.5x	1.5x

समामेलन की अवधि मई, 2015

समामेलन से पूर्व की अवधि जनवरी से अप्रैल i.e.$3x$

समामेलन के बाद की अवधि मई से दिसम्बर i.e.$9x$

विक्रय का अनुपात $3x$:$9x$ या 1:3

© The Institute of Chartered Accountants of India

(स) यह मानते हुए कि माहवारी औसत विक्रय = x। विभिन्न महीने का विक्रय निम्न प्रकार है :

माह	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
विक्रय	2x	1x	1x	1x	1x	1x	1x	1x	1x	1x	2x	2x

समामेलन की अवधि 1 जुलाई, 2015

समामेलन से पूर्व की अवधि अप्रैल से जून i.e.$4x$

समामेलन के बाद की अवधि जुलाई से मार्च i.e.$11x$

विक्रय का अनुपात $4x$:$11x$ या 4:11

4. **हैल्लो लिमिटेड की पुस्तकें**

जर्नल प्रविष्टियाँ

दिनांक	विवरण		₹	₹
1.4.2015	समता अंश पर अंतिम याचना खाता	डेबिट	4,50,000	
	To समता अंश पूंजी खाता			4,50,000
	(1,80,000 अंशों पर अंतिम याचना ₹ 2.50 प्रति अंश मांगी गयी)			
30.4.2015	बैंक खाता	डेबिट	4,50,000	
	To समता अंश पर अंतिम याचना खाता			4,50,000
	(1,80,000 अंशों पर अंतिम मांग प्राप्त हुई)			
30.4.2015	प्रतिभूति प्रीमियम	डेबिट	30,000	
	पूंजी संचय खाता (1,50,000 – 60,000)	डेबिट	90,000	
	सामान्य संचय खाता	डेबिट	2,40,000	
	लाभ–हानि खाता	डेबिट	2,40,000	
	To अंशधारी बोनस खाता			6,00,000
	(धारित 3 अंशों के बदले 1 बोनस अंश निर्गमन के लिए संचय का प्रयोग करते हुए)			
30.4.2015	समता अंशधारी बोनस खाता	डेबिट	6,00,000	
	To समता अंश पूंजी खाता			6,00,000
	(बोनस अंश निर्गमन के लिए पूंजीकरण)			

© The Institute of Chartered Accountants of India

चिट्ठे का सारांश (बोनस निर्गमन के बाद)

विवरण	वोट नं.	₹
समता एवं दायित्व		
1. अंशधारी का कोष		
(अ) अंश पूंजी	1	28,00,000
(ब) संचय एवं आधिक्य	2	1,40,000

लेखों पर टिप्पणियाँ

		₹
1. अंश पूंजी		
अधिकृत अंश पूंजी :		
50,000 10% पूर्वाधिकार अंश ₹ 10 वाले		5,00,000
2,40,000 समता अंश ₹ 10 वाले (संदर्भ W.N.)		24,00,000
निर्गमित एवं अभिदत्त पूंजी :		
40,000 10% पूर्वाधिकार अंश ₹ 10 वाले पूर्ण प्रदत्त		4,00,000
2,40,000 समता अंश ₹ 10 वाले पूर्ण प्रदत्त		24,00,000
(उपर्युक्त में से, 60,000 समता अंश ₹ 10 वाले बोनस अंश के रूप में निर्गमन)		
		28,00,000
2. संचय एव आधिक्य :		
सामान्य संचय	2,40,000	
घटाइए : बोनस अंश निर्गमन में प्रयोग	(2,40,000)	-
पूंजी संचय	1,50,000	
घटाइए : बोनस अंश निर्गमन में प्रयोग	(90,000)	60,000
प्रतिभूति प्रीमियम	30,000	
घटाइए : बोनस अंश निर्गमन में प्रयोग	(30,000)	-
लाभ–हानि खाता	3,00,000	
घटाइए : बोनस अंश निर्गमन में प्रयोग	(2,40,000)	60,000
		1,20,000

मान्यताएँ

1. केवल रोकड़ में प्राप्त पूंजी संचय का प्रयोग बोनस अंश निर्गमन में कर सकते हैं। इसलिये, मशीन के पुनर्मूल्यांकन पर उत्पन्न लाभ को बोनस अंश निर्गमन के लिए प्रयोग नहीं कर सकते। यह माना गया कि पूंजी संचय का शेष रोकड़ में प्राप्त हुआ।

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. यह भी माना गया है कि आवश्यक प्रस्ताव पारित कर दिये गये तथा बोनस निर्गमन से पूर्व, बोनस निर्गमन से संबंधित आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी कर ली गई।

कार्यशील टिप्पणियाँ :

उपर्युक्त मान्यताओं के आधार पर, अधिकृत पूंजी में निम्न प्रकार वृद्धि होनी चाहियेः

बोनस निर्गमन के लिए अपेक्षित	6,00,000
घटाइयेः अधिकृत समता अंश पूंजी का शेष (उपलब्ध)	(2,00,000)
अधिकृत अंश पूंजी में वृद्धि	4,00,000
बोनस निर्गमन के बाद कुल अधिकृत पूंजी (20,00,000 + 4,00,000) =	24,00,000

5. **हेमा लिमिटेड की पुस्तकें**

जर्नल प्रविष्टियाँ

	विवरण		डेबिट	क्रेडिट
i	8% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (₹ 10)	डेबिट	4,00,000	
	To 8% पूर्वाधिकार अंश पूंजी खाता (₹ 80)			3,20,000
	To पूंजी कमी खाता			80,000
ii	समता अंश पूंजी खाता (₹ 10)	डेबिट	10,00,000	
	To समता अंश पूंजी खाता (₹ 2)			2,00,000
	To पूंजी कमी खाता			8,00,000
iii	पूंजी कमी खाता	डेबिट	32,000	
	To समता अंश पूंजी खाता (₹ 2)			32,000
iv	(अ) 6% ऋणपत्र खाता	डेबिट	3,00,000	
	To ऋणपत्रधारी खाता			3,00,000
	(ब) ऋणपत्रधारी खाता	डेबिट	3,00,000	
	To स्वकीय सम्पत्ति खाता			3,00,000
v	अर्जित ऋणपत्र ब्याज खाता	डेबिट	24,000	
	To बैंक खाता			24,000
vi	स्वकीय सम्पत्ति खाता	डेबिट	1,50,000	
	To पूंजी कमी खाता			1,50,000
vii	बैंक खाता	डेबिट	2,50,000	
	To व्यापारिक विनियोग खाता			2,00,000
	To पूंजी कमी खाता			50,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

viii	संचालक ऋण खाता डेबिट	3,00,000	
	To समता अंश पूंजी खाता (₹ 2)		75,000
	To पूंजी कमी खाता		2,25,000
ix	पूंजी कमी खाता डेबिट	7,65,000	
	To लाभ हानि खाता		5,25,000
	To व्यापारिक प्राप्य खाता		90,000
	To स्कंध खाता		1,20,000
	To बैंक खाता (₹ 3,00,000 का 10%)		30,000
x	पूंजी कमी खाता डेबिट	5,08,000	
	To पूंजी संचय खाता		5,08,000

हेमा लिमिटेड का चिट्ठा (तथा कमी)

विवरण	नोट नं.	₹
समता एवं दायित्व		
1 अंशधारी कोष		
(अ) अंश पूंजी	1	6,27,000
(ब) संचय एवं आधिक्य	2	5,08,000
2 **गैर–चालू दायित्व**		
दीर्घकालीन उधार	3	1,00,000
3 **चालू दायित्व**		
(अ) व्यापारिक देय		1,01,000
कुल		13,36,000
सम्पत्तियाँ		
1 **गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		
दृश्य सम्पत्तियाँ	4	6,00,000
2 **चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) स्कंध		1,80,000
(ब) व्यापारिक प्राप्य		3,60,000
(स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	5	1,96,000
कुल		13,36,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखों पर टिप्पणियाँ

		₹
1.	**अंश पूंजी**	
	1,53,500 समता अंश ₹ 2 वाले	3,07,000
	(उपर्युक्त में से रोकड़ के अतिरिक्त 53,500 अंश का निर्गमन)	
	4,000 पूर्वाधिकार अंश ₹ 80 पूर्ण प्रदत्त	3,20,000
	कुल	6,27,000
2.	**संचय एवं आधिक्य**	
	पूंजी संचय	5,08,000
3.	**दीर्घकालीन उधार**	
	सुरक्षित	
	6% ऋणपत्र	1,00,000
4.	**दृश्य सम्पत्तियाँ**	
	स्वकीय सम्पत्ति	4,00,000
	प्लाण्ट एवं मशीनरी	2,00,000
	कुल	6,00,000
5.	**रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य**	
	बैंक में रोकड़ (₹ 2,50,000 – ₹ 24,000 – ₹ 30,000)	1,96,000

6. **1 अप्रैल, 2015 को सी लिमिटेड का चिट्ठा**

विवरण	नोट नं.	(₹ लाखों में)
समता एवं दायित्व		
1 **अंशधारी का कोष**		
(अ) अंश पूंजी	1	750
(ब) पूंजी एवं संचय	2	875
2 **गैर–चालू दायित्व**		
दीर्घकालीन उधार	3	30
3 **चालू दायित्व**		
व्यापारिक देय	4	305
कुल		1,960

© The Institute of Chartered Accountants of India

सम्पत्तियाँ		
1 **गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		
(i) दृश्य सम्पत्तियाँ	5	775
(ii) अदृश्य सम्पत्तियाँ	6	13
(ब) गैर–चालू विनियोग	7	100
अन्य गैर–चालू सम्पत्तियाँ	8	50
2 **चालू सम्पत्तियाँ**		
(अ) स्कंध (175 + 125)		300
(ब) व्यापारिक प्राप्य	9	325
(स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	10	397
कुल		1,960

लेखों पर टिप्पणियाँ

	(₹ लाखों में)
1. **अंश पूंजी**	
अधिकृत अंश पूंजी :	
50,00,000 समता अंश ₹ 10 वाले	500
निर्गमित एवं अभिदत्त :	
50,00,000 समता अंश ₹ 10 वाले	500
2,50,000 पूर्वाधिकार अंश ₹ 10 वाले	250
(उपरोक्त में से, रोकड़ के अतिरिक्त 35,00,000 समता अंश तथा समस्त पूर्वाधिकार अंश पूर्ण प्रदत्त अंश प्रतिफल के रूप में बंटन)	
कुल	750
2. **संचय एवं आधिक्य**	
प्रतिभूति प्रीमियम (2.50 लाख पूर्वाधिकार अंश ₹ 50 प्रति अंश + 35 लाख समता अंश का निर्गमन ₹ 20 प्रति अंश अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड के अंशधारी को निर्गमन = 82.5 लाख)	825
विनियोग छूट संचय (25+25)	50
कुल	875

© The Institute of Chartered Accountants of India

3.	**दीर्घकालीन उधार**	
	सुरक्षित	
	15% ऋणपत्र अ लिमिटेड के ऋणपत्र पर ब्याज ₹ 3 लाख तथा ब लिमिटेड के ऋणपत्र पर ब्याज ₹ 1.50 लाख कुल ब्याज = ₹ 4.50 लाख। कुल ब्याज ₹ 4.50 के बराबर 15% ऋणपत्र का निर्गमन = 4.50 लाख/15% = ₹ 30 लाख। 15% ऋणपत्र ₹ 100 वाले = 30,000 ऋणपत्र	30
4.	**व्यापारिक देय**	
	स्वीकार्य (75 + 35)	110
	लेनदार (135 + 60)	195
	कुल	305
5.	**दृश्य सम्पत्तियाँ**	
	भूमि एवं भवन (275 + 200)	475
	प्लाण्ट एवं मशीन (175 + 125)	300
	कुल	775
6.	**अदृश्य सम्पत्तियाँ**	
	ख्याति (10 + 2 + 1)	13
7.	**गैर–चालू विनियोग**	
	अन्य गैर–चालू विनियोग (75 + 25)	100
8.	**अन्य गैर–चालू सम्पत्तियाँ**	
	संविलयन समायोजन खाता	50
9.	**व्यापारिक प्राप्य**	
	देनदार(125 + 150)	275
	व्यापारिक प्राप्य (25 + 25)	50
	कुल	325
10	**रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य**	
	बैंक में रोकड़ (250 + 150 – 3)	397

© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील टिप्पणियाँ

1.

क्रय प्रतिफल की गणना		₹ लाख में	
		अ लिमिटेड	ब लिमिटेड
(a) पूर्वाधिकार अंश पूंजी :			
1,50,00,000/100 = 1,50,000 अंश			
अंश पूंजी = 1,50,000 अंश × ₹ 100	150		
प्रतिभूति प्रीमियम = 1,50,000 अंश × ₹ 50	75	225	
1,00,00,000/100 = 1,00,000 अंश			
अंश पूंजी = 1,00,000 अंश × ₹ 100	100		
प्रतिभूति प्रीमियम = 1,00,000 अंश × ₹ 50	50		150
(b) समता अंशधारी :			
4,00,00,000/100 × 5 = 20,00,000 अंश			
अंश पूंजी = 20,00,000 अंश × ₹ 10	200		
प्रतिभूति प्रीमियम = 20,00,000 अंश × ₹ 20	400	600	
3,75,00,000/100 × 4 = 15,00,000 अंश			
अंश पूंजी = 15,00,000 अंश × ₹ 10	150		
प्रतिभूति प्रीमियम = 15,00,000 अंश × ₹ 20	300		450
क्रय प्रतिफल की राशि		825	600

2.

जारी किये जाने वाले ऋणपत्र की गणना	₹ लाखों में	
	अ लिमिटेड	ब लिमिटेड
10% ऋणपत्र प्रत्येक ₹ 100	30	15
ब्याज की वही राशि बनाये रखने के लिए 15% ऋणपत्र का निर्गमन		
ब्याज = ₹ 30,00,000 × 10% = ₹ 3,00,000		
15% ऋणपत्र का मूल्य = $\frac{₹\,3,00,000}{15} \times 100$	20	
ब्याज = ₹ 15,00,000 × 10%		
15% ऋणपत्र का मूल्य = $\frac{₹\,1,50,000}{15} \times 100$		10

© The Institute of Chartered Accountants of India

3.

शुद्ध सम्पत्ति ली गई :	₹ लाखों में अ लिमिटेड	ब लिमिटेड
ली गई सम्पत्तियाँ		
भूमि एवं भवन	275	200
प्लाण्ट एवं मशीन	175	125
विनियोग	75	25
स्कंध	175	125
देनदार	125	150
प्राप्य बिल	25	25
बैंक एवं रोकड़	150	100
	1,000	750
घटाइए : दायित्व लिये गये		
ऋणपत्र	20	10
लेनदार	135	60
देय बिल	75	35
	230	105
शुद्ध सम्पत्ति ली गई	770	645
क्रय प्रतिफल	825	600
ख्याति / पूंजी संचय	(55)	45
4. शुद्ध ख्याति		(10)

जैसा कि अ लिमिटेड तथा ब लिमिटेड के समापन व्यय क्रमशः ₹ 2 लाख तथा ₹ 1 लाख स लिमिटेड द्वारा वहन किये जायेंगे। स लिमिटेड द्वारा यह राशि ख्याति खाते में डेबिट की जायेगी।

7. परिपक्वता पर देय तिथि

(i) 29 फरवरी, 2016। 2016 लीप वर्ष, 29 फरवरी, 2016 देय तिथि होगी।

(ii) 25 जनवरी, 2015। अनुग्रह दिवस के बाद देय तिथि, 26 जनवरी, 2015, चूंकि 26 जनवरी, 2015 की छुट्टी है। देय तिथि 25 जनवरी, 2015 होगी।

(iii) 17 फरवरी, 2015। अनुग्रह दिवस के बाद देय तिथि, 16 फरवरी, 2015, लेकिन कुछ आपातकालीन परिस्थितियों के कारण छुट्टी की घोषणा कर दी गई, 17 फरवरी, 2015 देय तिथि होगी।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iv) 14 अगस्त, 2015। अनुग्रह दिवस के बाद देय तिथि, 16 अगस्त, 2015, लेकिन 16 अगस्त, 2015 (रविवार) कारण छुट्टी है तथा 15 अगस्त, 2015 की भी छुट्टी है, इसलिये 14 अगस्त, 2015 देय तिथि होगी।

8. **बैंक की पुस्तकों में**

माह अप्रेल, 2015 के लिए मिस्टर अभिनव की पुस्तकों में चालू खाता

दिनांक	विवरण	डेबिट	क्रेडिट	डेबिड या क्रेडिट	शेष	दिन	गुणनफल
2015							
1st अप्रैल	By रोकड़	—	40,000	क्रेडिट	40,000		—
5th अप्रैल	To रोकड़	1,20,000	—	डेबिट	80,000	5	4,00,000
10th अप्रैल	By रोकड़	—	60,000	डेबिट	20,000	5	1,00,000
15th अप्रैल	To ब्याज	164	—	डेबिट	20,164	1	20,164
16th अप्रैल	To रोकड़	80,000	—	डेबिड	1,00,164	2	2,00,328
18th अप्रैल	By रोकड़	—	68,000	डेबिट	32,164	7	2,25,148
25th अप्रैल	To रोकड़	1,00,000	—	डेबिट	1,32,164	5	6,60,820
30th अप्रैल	To ब्याज खाता	364		डेबिट	1,32,528	—	—

कार्यशील टिप्पणियाँ

1. **1 अप्रैल, 2015 से 15 अप्रेल, 2015 तक का ब्याज**

   (अवधि के गुणनफल × ब्याज की दर) / 365

   (5,00,000 x 12 / 100) / 365 = ₹ 164

2. **16 अप्रैल, 2015 से 30 अप्रैल, 2015 तक ब्याज**

   (अवधि के गुणनफल x ब्याज की दर) / 365

   (11,06,460 × 12 / 100) / 365 = ₹ 364

9. **देनदार खाताबही में सामान्य समायोजन खाता**

दिनांक		विवरण	₹	दिनांक		विवरण	₹
1.4.2015	To	शेष बी/डी	3,400	1.4.2015	By	शेष बी/डी	2,46,200
1.4.2015 से 30.4.2015	To	देनदार समायोजन खाताः		1.4.2015 से 30.4.2015	By	देनदार समायोजन खाताः	

© The Institute of Chartered Accountants of India

		विक्रय वापसी	21,700			विक्रय	9,74,900
		रोकड़ प्राप्ति	8,62,100			प्राप्य बिल का अनादरण	3,500
		स्वीकृत बट्टा	39,200	30.4.2015	By	शेष सी/डी	5,200
		प्राप्य बिल प्राप्त	51,200				
30.4.2015	To	शेष सी/डी (शेष राशि)	2,52,200				
			12,29,800				12,29,800

सामान्य खाताबही में देनदार समायोजन खाता

दिनांक		विवरण	₹	दिनांक		विवरण	₹
1.4.15	To	शेष बी/डी	2,46,200	1.4.15	By	शेष बी/डी	3,400
1.4.2015 से 30.4.15	To	सामान्य समायोजन खाताः		1.4.2015 से 30.4.15	By	सामान्य समायोजन खाताः	
		विक्रय	9,74,900			विक्रय वापसी	21,700
		प्राप्य बिल का अनादरण	3,500			रोकड़ प्राप्ति	8,62,100
30.4.15	To	शेष सी/डी	5,200	30.4.15		स्वीकृत बट्टा	39,200
						प्राप्य बिल प्राप्त	51,200
					By	शेष सी/डी (शेष राशि)	2,52,200
			12,29,800				12,29,800

© The Institute of Chartered Accountants of India

10. 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

	₹		₹
To दवा का प्रयोग		By पर्ची की फीस	3,30,000
क्रय 1,22,500		By घर जाने की फीस	1,25,000
घटाइए : अंतिम स्टॉक (47,500)	75,000	By भाषण की फीस	12,000
To मोटर कार के खर्चे (60,000 × 2/3)	40,000		
To वेतन (₹ 52,500 – ₹ 15,000)	37,500		
To चिकित्सालय का किराया	30,000		
To सामान्य खर्चे	24,500		
To ऋण पर ब्याज	18,000		
To आय का खर्चे पर आधिक्य	2,42,000		
	4,67,000		4,67,000

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए पूंजी खाता

	₹		₹
To आहरण:		By रोकड़/बैंक	1,00,000
मोटर कार के खर्चे	20,000	By रोकड़/बैंक (पेंशन)	1,50,000
घरेलू खर्चे	90,000	By प्रेक्टिस से शुद्ध आय	2,42,000
विवाह खर्चे	1,07,500	(आय व्यय खाते से उत्पन्न)	
To घरेलू नौकर का वेतन	15,000		
To घरेलू फर्नीचर	12,500		
To शेष बी/डी	2,47,000		
	4,92,000		4,92,000

31 मार्च, 2015 को चिट्ठा

दायित्व	₹	सम्पत्ति	₹
पूंजी	2,47,000	मोटर कार	1,60,000
ऋण	1,50,000	शल्य यंत्र	1,25,000
		दवाई का स्टॉक	47,500
		बैंक में रोकड़	55,000
		हस्तस्थ रोकड़	9,500
	3,97,000		3,97,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

11. 31.03.2014 तथा 31.03.2015 को मिस श्रेया का स्थिति विवरण

दायित्व	31.03.2014 (₹)	31.03.2015 (₹)	सम्पत्ति	31.03.2014 (₹)	31.03.2015 (₹)
पूंजी (शेष राशि)	1,22,150	2,27,125	मशीनरी एवं औजार	25,000	27,125
ऋण	50,000	46,000	फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	50,000	54,750
लेनदार	20,000	35,000	स्टॉक	60,000	1,35,000
			देनदार	20,000	45,000
			बैंक में रोकड़	35,000	42,500
			हस्तस्थ रोकड़	2,150	3,750
	1,92,150	3,08,125		1,92,150	3,08,125

लाभ का निर्धारण

31.03.2015 को पूंजी का शेष	2,27,125
घटाइए : इनाम जीता, व्यवसाय में लगाया	20,000
	2,07,125
जोड़िए : आहरण (₹ 1,000 × 12)	12,000
	2,19,125
घटाइए : 31.03.2014 को पूंजी का शेष	1,22,150
31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ	96,975

कार्यशील टिप्पणियाँ

1. **मशीनरी एवं औजार का अपलिखित मूल्य**

	₹
01.04.2014 को अपलिखित मूल्य (WDV)	25,000
घटाइए : अपलिखित मूल्य पर ह्रास @ 10% वार्षिक	2,500
	22,500
जोड़िए : 01.07.2014 को वर्ष के दौरान वृद्धि	5,000
	27,500
घटाइए : वृद्धि पर ह्रास @ 10 वार्षिक (5,000 × 10/100 × 9/12)	375
31.03.2015 को मशीन एवं औजार का अपलिखित मूल्य	27,125

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. **फर्नीचर एवं फिक्सचर्स का अपलिखित मूल्य**

01.04.2014 को अपलिखित मूल्य	50,000
घटाइए : अपलिखित मूल्य पर ह्रास @10 वार्षिक	5,000
	45,000
जोड़िए : 01.01.2015 को वर्ष के दौरान वृद्धि	10,000
	55,000
घटाइए : वृद्धि पर ह्रास @10 वार्षिक (10,000 × 10/100 × 3/12)	250
31.03.2015 को फर्नीचर एवं फिक्सचर्स पर ह्रास	54,750

12. **ब्याज का अनुपात तथा देय राशि** = $\frac{\text{ब्याज की दर}}{100+\text{ब्याज की दर}} = \frac{10}{100} = 1/11$

तुरन्त भुगतान में कोई ब्याज की राशि शामिल नहीं क्योंकि यह व्यवहार की तारीख को भुगतान किया जाता है। निश्चित समय के बाद भुगतान करने पर किस्त में ब्याज का हिस्सा शामिल होता है। इसलिये, नकद मूल्य ज्ञात करने के लिए, अंतिम किस्त से प्रथम किस्त तक नगद मूल्य निम्न प्रकार तय करते हैं:

नगद मूल्य तथा ब्याज की गणना :

किस्त की संख्या	किस्त के समय देय राशि	ब्याज	संचयी नगद मूल्य
[1]	[2]	[3]	(2-3) = [4]
तृतीय	4,40,000	1/11of 4,40,000 =40,000	4,00,000
द्वितीय	8,40,000	1/11 of 8,40,000= 76,364	7,63,636
प्रथम	12,03,636	1/11of 12,03,636= 1,09,421	10,94,215

कुल नगद मूल्य = 10,94,215 + 4,80,000 (तुरन्त भुगतान) = ₹ 15,74,215

© The Institute of Chartered Accountants of India

आकाश की पुस्तक में 9% सरकारी बॉण्डस खाता

दिनांक	विवरण	अंकित मूल्य	ब्याज	राशि	दिनांक	विवरण	अंकित मूल्य	ब्याज	राशि
2014					2014				
जनवरी 01	To शेष बी/डी	60,000	1,350	59,000	मार्च 31	By बैंक खाता	—	3,150	—
मार्च 01	To बैंक खाता	10,000	375	10,000	जुलाई 01	By बैंक खाता	25,000	563	25,000
जुलाई 01	To लाभ–हानि खाता	—	—	417	सितम्बर 30	By बैंक खाता	—	2,025	—
अक्टूबर 01	To बैंक खाता	7,500	—	7,350	नवम्बर 01	By बैंक खाता	15,000	112	14,850
नवम्बर 01	To लाभ–हानि खाता	—	—	100	दिसम्बर 31	By शेष बी/डी	37,500	844	37,017
दिसम्बर 31	To लाभ–हानि खाता (हस्तांतरण)	—	4,969	—					
		77,500	6,694	76,867			77,500	6,694	76,867

कार्यशील टिप्पणी :

अंतिम शेष की गणना

31.12.2014 को हस्तस्थ बॉण्ड्स

	अंकित मूल्य	लागत
मूल धारित से		
(60,000 – 25,000 – 15,000)	20,000	19,667
(59,000/60,000 × 20,000)		
1 मार्च को क्रय	10,000	10,000
1 अक्टूबर को क्रय	7,500	7,350
	37,500	37,017

© The Institute of Chartered Accountants of India

14. **मैसर्स डीइएफ एण्ड कम्पनी**

स्मारणार्थ व्यापारिक खाता

(01.04.2014 से 13.09.2014 तक)

विवरण	(₹)	विवरण	(₹)
To प्रारम्भिक स्टॉक (संदर्भ W.N.)	9,60,000	By विक्रय	45,98,200
To क्रय	35,49,900	By ग्राहक के पास माल	18,750
To सकल लाभ (विक्रय का 25%)	11,49,550	By अंतिम स्टॉक (शेष राशि)	10,42,500
	56,59,450		56,59,450

बीमा दावे की गणना

		₹
आग लगने की तारीख को स्टॉक (i.e. on 13.09.2014)		10,42,500
घटाइए : अवशिष्ट स्टॉक	40,000	
नष्ट हुए माल का मूल्य	20,000	(60,000)
स्टॉक की हानि		9,82,500

दावे औसत वाक्य के अधीन

$$\text{बीमा दावे} = \frac{\text{स्टॉक की हानि}}{\text{आग लगने की तारीख को माल का स्टॉक}} \times \text{पॉलिसी की राशि}$$

$$= 9,00,000 / 10,42,500 \times 9,82,500 = 8,48,201$$

कार्यशील टिप्पणियाँ

1. 31 मार्च, 2014 को स्टॉक के मूल लागत की गणना

31 मार्च, 2014 को स्टॉक का मूल्यांकन लागत से 10% कम पर किया गया

2. 01.04.2014 से 13.09.2014 तक क्रय

	₹
क्रय	35,29,900
जोड़िए : गोदाम में माल प्राप्त किया, यद्यपि क्रय बीजक अभी तक प्राप्त नहीं हुआ	60,000
घटाइए : क्रय में मशीन की खरीद शामिल	40,000
	35,49,900

© The Institute of Chartered Accountants of India

3. अवधि 01.04.2014 से 13.09.2014 तक विक्रय

	₹
विक्रय	46,93,200
घटाइए : माल का प्रेषण नहीं	70,000
अनुमोदन के लिए माल भेजा लेकिन अभी तक अनुमोदन नहीं	25,000
	45,98,200

4. 13.09.2014 को ग्राहक के पास माल

₹ 25,000 के माल का अभी तक अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ। इसका मूल्यांकन लागत पर करना चाहिये i.e. 25,000 – 25,000 × 25/100 = 18,750

15. **पुनर्मूल्यांकन खाता**

		₹			₹
To	प्लाण्ट एवं मशीनरी 1,70,000 × 15%)	25,500	By	भूमि एवं भवन खाता	1,52,000
To	डूबत एवं संदिग्ध ऋण का आयोजन (60,000 × 5%)	3,000			
To	भवन पर अदत्त मजदूरी	6,000			
To	अ का पूंजी खाता (5/8)	73,438			
To	ब का पूंजी खाता (3/8)	44,062			
		1,52,000			1,52,000

साझेदारों का पूंजी खाता

	अ	ब	स		अ	ब	स
To अ का पूंजी खाता	—	—	20,000	By शेष बी/डी	4,10,000	3,30,000	—
To ब का पूंजी खाता			12,000	By पुनर्मूल्यांकन खाता	73,438	44,062	—
To ब का चालू खाता	—	68,062		By लाभ हानि खाता	70,000	42,000	—
To शेष बी/डी	6,00,000	3,60,000	2,40,000	By बैंक	—	—	2,72,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

				By अ का चालू खाता	20,000	12,000	—
				By ब का चालू खाता	26,562	—	—
	6,00,000	4,28,062	2,72,000		6,00,000	4,28,062	2,72,000

<u>नया लाभ–हानि अनुपात तथा वृद्धि अनुपात</u>

स का लाभ में हिस्सा = $\frac{1}{5} = \frac{2}{10}$

शेष हिस्सा = $1 - \frac{1}{5} = \frac{4}{5}$

अ का हिस्सा = $\frac{5}{8} \times \frac{4}{5} = \frac{20}{40} = \frac{5}{10}$

ब का हिस्सा = $\frac{3}{8} \times \frac{4}{5} = \frac{12}{40} = \frac{3}{10}$

नया लाभ–हानि अनुपात = 5 : 3 : 2

वृद्धि अनुपात = 5 : 3 (पुराने साझेदारों में पुराने लाभ–हानि अनुपात के समान)

31.03.2015 को ए बी एण्ड कम्पनी का चिट्ठा

दायित्व	₹	₹	सम्पत्ति	₹	₹
पूंजी खाता :			भूमि एवं भवन		5,32,000
अ	6,00,000		प्लाण्ट एवं मशीन	1,70,000	
ब	3,60,000		*घटाइए* : ह्रास	25,500	1,44,500
स	2,40,000	12,00,000	फर्नीचर		1,09,480
ब का चालू खाता		68,062	स्टॉक		1,45,260
व्यापारिक लेनदार		54,800	विविध देनदार	60,000	
भवन पर बकाया		6,000	*घटाइए* : आयोजन	3,000	57,000
			बैंक में रोकड़		3,14,060
			अ का चालू खाता		26,562
		13,28,862			13,28,862

कार्यशील टिप्पणियाँ

<u>पूंजी खाते का अपेक्षित शेष</u>

स का पूंजी खाता ख्याति अपलिखित के बाद = 2,72,000 − 32,000

= ₹ 2,40,000

स का लाभ में हिस्सा = $\frac{1}{5}$

© The Institute of Chartered Accountants of India

इसलिये, फर्म की पूंजी होगी = 2,40,000 × 5 = ₹ 12,00,000

अ की पूँजी = $12,00,000 \times \frac{5}{10}$ = ₹ 6,00,000 तथा

ब की पूँजी = $12,00,000 \times \frac{3}{10}$ = ₹ 3,60,000

16. स्प्रैडशीट सॉफ्टवेयर के लेखांकन तकनीक के रूप में लाभः

1. प्रयोग में सरल तथा समझने में आसान।
2. सामान्य कार्य जैसे गणना, सूत्र को सेट करना, मेक्रोज, सेल सामग्री की पुनरावृत्ति इत्यादि आसानी से स्प्रैडशीट में कर सकते हैं।
3. लेखों का वर्गीकरण तथा पुनः वर्गीकरण किया जा सकता है।
4. ग्राफ को विभिन्न रूपों में प्रस्तुतीकरण किया जाना जैसे बार चित्र, पाई चार्ट, हिस्टोग्राम इत्यादि।
5. मूलभूत सुरक्षा जैसे सीमित पहुंच तथा सेल में पासवर्ड के प्रयोग द्वारा स्प्रैडशीट के समंकों को सुरक्षा प्रदान करना।

17. (अ) **लेखा मानक से संबंधित विचारणीय बिंदु :**

(i) वित्तीय विवरण में घटना एवं व्यवहार की पहचान।

(ii) इन व्यवहार एवं घटनाओं का मापन।

(iii) इन घटना तथा व्यवहारों का वित्तीय विवरण में इस प्रकार से प्रस्तुतीकरण, कि पढ़ने वाला समझ सके।

(iv) अधिकांश लोगों की अपेक्षा के अनुरूप प्रकटीकरण, विशेषकर स्थायी तथा संभावित विनियोगकर्ता इन वित्तीय विवरण पत्रों को गहराई से देख सके तथा मितव्ययतापूर्वक व्यापारिक निर्णय में सहायक।

(ब) लेखामानक 1 का पैरा 17 'लेखांकन नीतियों का प्रकटीकरण' लेखांकन नीतियों के चुनाव तथा प्रयोग में मितव्ययता एक महत्वपूर्ण विचारणीय विषय है। भविष्य में घटनाओं की अनिश्चितता की वजह से लाभ की निश्चितता नहीं। इसलिये वसूली पर ही मान्यता, यह जरूरी नहीं की नगद में वसूली हो। सभी संभावित दायित्व एवं हानि के लिए आयोजन बनाया जाता है, यद्यपि निश्चितता के साथ राशि तय नहीं कर सकते। यह केवल उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर एक सर्वोतम अनुमान हैं। लेखा मानक के पैरा 10 के अनुसार 'अर्जन' एक महत्वपूर्ण मान्यता है। अनुबंध की शर्तों के विपरीत, दीर्घकालीन मूलधन का पुनः भुगतान किया जाता है, यद्यपि उधार देने वाला विलम्ब वाली राशि पर बिना भुगतान किये हुए ब्याज को हानिकारक स्थिति में नहीं दिखाता। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि बिना भुगतान किया गया ब्याज, कम्पनी पर दायित्व है। इन परिस्थितियों में, कम्पनी को उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर प्रत्येक परिस्थिति में अनुमानित दायित्व के रूप में दिखाना चाहिये। (चूंकि उधार देने वाले ने माफ नहीं किया) यद्यपि, विलम्ब पर ब्याज की राशि का

© The Institute of Chartered Accountants of India

निपटारा करने पर, निपटारे पर दायित्व अर्जित हो जाता है। विलम्ब पर ब्याज की राशि का आयोजन नहीं करने पर लेखांकन के आधार 'अर्जन' की अवहेलना है। इसलिये, कम्पनी द्वारा देय तिथि से पुनर्भुगतान की तिथि तक के ब्याज का किया गया व्यवहार ठीक नहीं है।

18. (अ) 31 मार्च, 2015 को स्कंध का शुद्ध वसूली मूल्य

= 107.75 × 20 इकाई = ₹ 2,155

भारित औसत के आधार पर स्कंध का मूल्य

कुल खरीदी गई इकाइयां तथा कुल लागत

01.03.2015	108 × 20 इकाइयां	= 2,160
08.03.2015	107 × 20 इकाइयां	= 1,605
17.03.2015	109 × 20 इकाइयां	= 3,270
25.03.2015	107 × 15 इकाइयां	= 1,605
कुल	80 इकाइयां	= ₹ 8,640
भारित औसत लागत = 8,640 / 80		= ₹ 108
कुल मूल्य = ₹ 108 × 20 इकाइयां		= ₹ 2,160

31 मार्च, 2015 को चिट्ठा बनाते समय स्कंध का मूल्य, लागत या शुद्ध वसूली मूल्य, जो भी कम है, i.e. ₹ 2,155

(ब) (i) परिचालन क्रियाएंः सी, ई, एफ, जी, जे, एम, ओ, एस, टी, डब्ल्यू, एक्स, एए, तथा जीजी।

(ii) विनियोग क्रियाएंः ए, एच, के, एल, पी, क्यू, यू, वी तथा ईई।

(iii) वित्तीय क्रियाएंः बी,डी, आई, एन, आर, वाई, सीसी, तथा डीडी।

(iv) नगद तुल्यः एफएफ

19. (अ) ह्रास प्रतिवर्ष = 1,20,000 / 10 = ₹ 12,000

सरल रेखा पद्धति के आधार पर 3 वर्ष का ह्रास = 12,000 × 3 = ₹ 36,000

तीसरे वर्ष के अंत में कम्प्यूटर का पुस्तक मूल्य

= ₹ 1,20,000 − ₹ 36,000 = ₹ 84,000

गत अनुमान के आधार पर शेष उपयोगी जीवन = 7 वर्ष

पुनः अनुमान के आधार पर शेष उपयोगी जीवन = 5 वर्ष

चौथे वर्ष व इसके बाद ह्रास = ₹ 84,000 / 5 = ₹ 16,800 वार्षिक

(ब) ठेका मूल्य पर कुल अनुमानित हानि = ठेका मूल्य − कुल लागत

= ₹ 50,00,000 − (₹ 21,00,000 + ₹ 31,50,000)

= ₹ 2,50,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

2014 –15 में 40% कार्य पर गणना

ठेका आय	= ₹ 20,00,000
ठेका लागत	= ₹ 21,00,000
ठेके पर हानि	= ₹ 1,00,000
लेखा मानक 7 के अनुसार अनुमानित हानि सभांवित	= ₹ 2,50,000
अनुमानित हानि के लिए अपेक्षित अतिरिक्त आयोजन (₹ 2,50,000 – ₹ 1,00,000)	= ₹ 1,50,000

फाइव स्टॉर निर्माण लिमिटेड कम्पनी की पुस्तकों में

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ हानि खाता (सारांश)

		राशि (₹)		राशि (₹)
To	निर्माणी लागत (40% कार्य के लिए)	21,00,000	By ठेका आय	20,00,000
To	हानि के लिए आयोजन	1,50,000	By शुद्ध हानि	2,50,000
		22,50,000		22,50,000

20. (अ) लेखा मानक 9 के अनुसार 'आय की पहचान' सामान्य क्रिया जैसे माल बेचने के दौरान प्राप्त रोकड़, प्राप्य तथा अन्य प्रतिफल का व्यवसाय में अन्तर्वाह। यद्यपि, उपरोक्त बशर्ते व्यापार की सामान्य क्रिया के दौरान व्यापारिक बट्टा तथा मात्रा छूट को आय ज्ञात करते समय कम कर दिया जायेगा। चूंकि ये लागत में कमी का प्रतिनिधित्व करते हैं। आय बशर्ते क्रेता के पक्ष में माल हस्तांतरण पर निश्चित जोखिम जैसे क्षति।

दी हुई परिस्थिति में, ₹ 13,00,000 में से व्यापारिक बट्टा कर कम कर दिया तथा मान्य सकल बिक्री (₹ 13,00,000 – ₹ 1,06,000) = ₹ 11,94,000 तथा माल वापस के ₹ 1,34,000 विक्रय वापसी के रूप में लेखा किया जायेगा। इस प्रकार, लेखाकार का विवाद पुस्तक में विक्रय ₹ 10,60,000 सही नहीं है।

(ब) **स्थायी सम्पत्ति की लागत की गणना**

	₹
सामग्री	10,00,000
प्रत्यक्ष श्रम (₹ 3,00,000 का 1/6)	50,000
प्रत्यक्ष व्यय	2,00,000
कार्यालय एवं प्रशासनिक खर्चे (₹ 7,50,000 का 5%)	37,500
सम्पत्ति पर ह्रास	10,000
स्थायी सम्पत्ति की कुल लागत	12,97,500

© The Institute of Chartered Accountants of India